अनुक्रमांक ..... कूट सं. : 820151.1–SA_2 (M)

कक्षा – आठवीं

हिंदी

(संकलनात्मक मूल्यांकन – II)

कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल 19 प्रश्न हैं और कुल 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 90

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के दो खंड हैं – 'क' और 'ख'।
2. दोनों खंड अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
4. उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प छाँटकर उत्तर लिखिए :- 1×5=5

मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं। एक तो यह कि लोग हमारे गुणों की कद्र करें, हमें दाद दें और हमारा आदर करें और दूसरे वे हम पर प्रेम करें, हमारा अभाव महसूस करें,उनके जीवन में हम कुछ महत्व रखते हैं – ऐसा अनुभव करें। आपके जरा-से भी कार्य की यदि किसी ने सच्चे दिल से प्रशंसा की तो आपका दिल कैसा खिल उठता है? कोई आपकी सलाह माँगने आता है तो आपका मन कैसे फूल जाता है? ऊपर से कोई बड़ा आदमी कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मतुष्ट क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह हमारी-आपकी तरह प्रशंसा का, प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा है। यदि आप उसे प्रमाणिकतापूर्वक ले सकें तो आप फौरन उसके हृदय के निकट पहुँच जाएँगे। दूसरों की भावनाओं को ठीक-ठीक समझना, उनकी कद्र करना, उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना यही व्यवहार कुशलता है। इसी से सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के दरवाज़े खोलने की कुंजी हाथ लगती है। इससे हमारी अपनी सुख-शांति बढ़ती है, सो अलग।

(क) 'प्रवृत्ति' से आशय है – 1

(i) स्वभाव (ii) आदत

(iii) विशेषता (iv) गुण

(ख) मनुष्य की किन दो प्रवृत्तियों की ओर लेखक ने ध्यान दिलाया है? 1

(i) अपना अधिकार जताना एवं लोगों में प्रिय होने की भावना।

(ii) स्वयं के गुणो का आदर हो एवं दूसरे हमारा अभाव महसूस करें।

(iii) अपने गुणों का बखान करना एवं दूसरों की निंदा करना।

(iv) दूसरों को महत्वहीन मानना एवं स्वयं को श्रेष्ठ मानना।

(ग) व्यवहार कुशलता का उपयुक्त लक्षण क्या है? 1

(i) दूसरों के प्रति शिष्टाचार का निर्वाह करना।

(ii) दूसरे की भावना को समझकर चुप रहना।

(iii) आत्मप्रशंसा के लिए अवसर के अनुकूल आचरण करना।

(iv) किसी को दुखी देखकर अपना दुख प्रकट करना।

(घ) 'मन का खिलना' मुहावरे का अर्थ है - 1

(i) मन का दुखी होना। (ii) मन का प्रसन्न होना।

(iii) मन पर बोझ महसूस करना। (iv) मन से काम करना।

(ङ) 'लोकप्रियता की कुंजी' किसे कहा गया है - 1

(i) सत्य (ii) प्रेम

(iii) स्नेह (iv) व्यवहार

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उचित विकल्प छाँटकर उत्तर लिखिए - 1×5=5

चलते चलो, चलते चलो!
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो!
तम के जो बंदी थे
सूरज ने मुक्त किए
किरनों से गगन पोंछा
धरती को रंग दिए
सूरज को विजय मिली ऋतुओं की, रात हुई
कह दो इन तारों से चंदा के संग-संग चलते चलो!
रत्नमयी वसुधा पर
चलने को चरन दिए
बैठी उस क्षितिज पार
लक्ष्मी श्रृंगार किए,
आज तुम्हें मुक्ति मिली, कौन तुम्हें दास कहे?
स्वामी तुम ऋतुओं के संवत् के संग-संग चलते चलो!

नदियों ने चल कर ही
सागर का रूप लिया
मेघों ने चल कर ही
धरती को गर्भ दिया
रुकने का मरण नाम, पीछे सब प्रसार हैं।
आगे हैं रंग-महल, युग के ही संग-संग चलते चलो!

(क) 'चलते चलो' का संदेश कवि ने किसे दिया है? 1

(i) मनुष्य को (ii) व्यक्ति को
(iii) पाठक को (iv) विद्यार्थी को

(ख) सूरज ने प्रकृति में क्या परिवर्तन किए? 1

(i) अंधेरे को दूर भगाया (ii) धरती को रंग दिया
(iii) बंदियों को मुक्त किया (iv) आगे बढ़ने का संदेश दिया

(ग) वसुधा को रत्नमयी क्यों कहा गया है? 1

(i) धन-धान्य से पूर्ण होने के कारण (ii) धरती में रत्न होने के कारण
(iii) खनिज पदार्थ होने के कारण (iv) प्राकृतिक सौंदर्य के कारण

(घ) 'सागर' का पर्याय है - 1

(i) सुधाकर (ii) प्रभाकर
(iii) रत्नाकर (iv) दिवाकर

(ङ) 'क्षितिज' का अर्थ है - 1

(i) जहाँ से सूर्य उदित होता हो
(ii) जहाँ सूर्य अस्त होता हो
(iii) जहाँ आकाश या धरती से मिलना प्रतीत हो
(iv) जहाँ आकाश समाप्त होता हो

3. (क) किसी एक की संधि कीजिए - 1

(i) वाक्+मय (ii) शैशव+अवस्था

(ख) किसी एक शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए - 1

(ii) आनंदोत्सव (ii) उन्मत्त

4. किसी एक शब्द से विशेषण बनाइए - 1

(i) मर्यादा (ii) शर्म

5. (क) किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए - 2
चाँद, नदी, पर्वत

(ख) किसी एक का विलोम लिखिए। 1
स्थायी, निर्बल

6. (क) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध कीजिए - 1
मुझे एक मोतियों की माला दो।

(ख) (i) अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद बताइए - 2
शायद कल बारिश हो जाए।

(ii) रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए -
मैं बाज़ार जाकर सामान खरीदूँगा।

7. (क) किन्हीं दो समस्तपदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए - 2
(i) लम्बोदर (ii) नीलगगन (ii) शब्दहीन

(ख) किसी एक का समस्तपद बनाइए - 1
पाप या पुण्य, चार राहों का समाहार

8. (क) किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- 2
दाँतों तले उँगली दबाना, दंग रह जाना

(ख) उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - 1
मैं बचपन से जिस क्षेत्र में जाना चाहती थी, वहाँ पहुँचने के लिए मैंने ..... लगा दिया।

अथवा

मेरे सामने किसी की हिम्मत है कि वह ..... सके।

9. रूपक अथवा मानवीकरण अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

10. आप अक्षत/अक्षिता हैं। अपने बिजली का मीटर लगवाने का अनुरोध करते हुए नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने मित्र को 'बातचीत की कला' का महत्व बताते हुए पत्र लिखिए।

11. किसी एक विषय पर लगभग 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– 5

(क) राष्ट्रीय एकता दिवस

- कब और क्यों
- राष्ट्रीय एकता का महत्व
- प्रभाव
- आपका योगदान

(ख) स्वच्छ भारत अभियान

- स्वच्छ भारत से अभिप्राय
- आवश्यकता
- योगदान
- प्रभाव

(ग) यदि आप फिल्म निर्माता होते .....

- अभिप्राय
- कर्तव्य
- सामाजिक बोध
- प्रभाव

12. निम्नलिखित चित्र को देखकर लगभग दस पंक्तियों में वर्णन कीजिए – 5
(चित्र से संबंधित विषय का उल्लेख भी किया जा सकता है।)

13. भ्रष्टाचार की समस्या से संबंधित दो मित्रों की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। 2

14. 'रक्तदान शिविर' के बारे में जानकारी देते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

खंड - 'ख'

15. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर सही विकल्प छाँटकर लिखिए - 1×5=5

एक अकेला ताँगा था दूरी पर
कोचवान की काली-सी चाबुक के बल पर वो बढ़ता था
घूम-घूम जो बलखाती थी सर्प सरीखी
बेदर्दी से पड़ती थी दुबले घोड़े की गर्म पीठ पर
भाग रहा वह तारकोल की जली
अँगीठी के ऊपर से।
कभी एक ग्रामीण धरे कंधे पर लाठी
सुख-दुख की मोटी-सी गठरी
लिए पीठ पर भारी
जूते फटे हुए
जिनमें से थी झाँक रही गाँवों की आत्मा
जिंदा रहने के कठिन जतन में
पाँव बढ़ाए आगे जाता

(क) कोचवान किसे कहा गया है?

(i) चाबुक बनाने वाले को (ii) चाबुक वाले को
(iii) चाबुक चलाने वाले को (iv) चाबुक रखने वाले को

(ख) चाबुक की तुलना साँप से क्यों की गई है?

(i) खतरनाक होने के कारण (ii) भयानक होने के कारण
(iii) काली होने के कारण (iv) चोट पहुँचाने के कारण

(ग) सड़क को अंगीठी के समान क्यों कहा गया है?

(i) जलने के कारण (ii) आग के कारण
(iii) गर्म होने के कारण (iv) अत्यधिक गर्म होने के कारण

(घ) 'सुख-दुख' में कौन-सा समास है?

(i) द्वंद्व (ii) द्विगु
(iii) अव्ययी भाव (iv) तत्पुरुष

(ङ) ग्रामीण दोपहरी में सड़क पर चलने के लिए क्यों विवश है?

(i) महत्वपूर्ण कार्य होने के कारण

(ii) समय का अभाव होने के कारण

(iii) विवशता के कारण

(iv) जीवन निर्वाह हेतु

16. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1×5=5

ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीज़ों से आनंद नहीं उठाता, जो उसके पास मौजूद है; बल्कि उन वस्तुओं से दुख उठाता है, जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है। और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते रहते हैं। दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी पड़ती है।

(क) ईर्ष्या को अनोखा वरदान क्यों कहा गया है?

(ख) व्यक्ति के दुखी होने का क्या कारण है?

(ग) जीवन को सुखपूर्वक कैसे जिया जा सकता है?

(घ) अपनी गलत आदतों की वजह से हमें क्या-क्या नुकसान उठाने पड़ते हैं?

(ङ) 'दंश' शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

17. किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 3×3=9

(क) सोना लेखिका के प्रति अपने प्रेम को कैसे प्रदर्शित करती थी?

(ख) समाज को दहेज मुक्त बनाने में युवाओं की क्या भूमिका हो सकती है? 'बहू की विदा' पाठ के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) बलदाऊ से अपनी तुलना कर श्रीकृष्ण माँ से क्या कहते हैं?

(घ) 'बचपन सुनहरे भविष्य की नींव है' - कथन को 'सितारों से आगे' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

18. किन्हीं <u>पाँच</u>-प्रश्नों के उत्तर <u>25-30 शब्दों में</u> लिखिए - 5×3=15

(क) सरकारी नियमों के प्रति भोलाराम नतमस्तक क्यों हो गया?

(ख) 'परिश्रम करने से कभी हानि नहीं होती' -कथन को उचित उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'वाद विवाद' किस विषय पर हो रहा था और क्यों? 'कामचोर' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(घ) 'बातचीत की कला' राष्ट्रीय एकता में किस प्रकार सहायक है?

(ङ) 'पद' के आधार पर तुलसीदास और सूरदास की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

(च) बहू और बेटी को एक समान समझना क्यों जरूरी है?

19. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँट कर लिखिए :- 6×1=6

(क) बिजली साहब ने भोलाराम से नक्शा और प्रमाणपत्र क्यों मंगवाया?

(i) भोलाराम को पटवारी के पास भेजने के लिए

(ii) सरकारी नियम बताने के लिए

(iii) भोलाराम को टालने के लिए

(iv) काम में रुकावट डालने के लिए

(ख) कल्पना चावला का सबसे महत्वपूर्ण गुण क्या था?

(i) धैर्य (ii) जुझारु

(iii) ईमानदार (iv) प्रफुल्लित

(ग) बच्चों ने काम न करने का निश्चय क्यों किया?

(i) काम में आलस के कारण

(ii) काम में मन न लगने के कारण

(iii) काम करने पर सज़ा मिलने के कारण

(iv) बुजुर्गों के खुश न होने के कारण

(घ) 'सदा तुलसी-मन-मंदिर में बिहरैं' -पंक्ति में 'मन-मंदिर' में कौन-सा अलंकार है-

(i) रूपक अलंकार (ii) मानवीकरण अलंकार

(iii) उपमा अलंकार (iv) अतिश्योक्ति अलंकार

(ङ) 'सोना' को छोटे बच्चे क्यों पसंद थे?

(i) वे सोना के बराबर के थे

(ii) वे बहुत देर तक उसके साथ खेलते थे

(iii) वे विनम्र स्वभाव के थे

(iv) वे सोना को तंग नहीं करते थे

(च) ईर्ष्या से बचने का क्या उपाय है?

(i) ईर्ष्यालु लोगों से दूर रहना (ii) लोगों की सहायता करना

(iii) मानसिक अनुशासन (iv) शारीरिक अनुशासन